देश को मिलेगी 'गति' और 'शक्ति'

पीएम मोदी ने किया 100 लाख करोड़ रुपये के गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान का अनावरण

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अगले ढाई दशक में देश का बुनियादी ढांचा पूरी तरह से बदल जाएगा। प्रगति मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 100 लाख करोड़ रुपये का गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। इस मास्टर प्लान में 1,200 से अधिक औद्योगिक क्लस्टर और दो रक्षा कारिडोर शामिल हैं जिन्हें परिवहन के विभिन्न साधनों से जोड़ा जाएगा। फिलहाल पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान में बुनियादी ढांचे से जुड़ी उन परियोजनाओं को शामिल किया गया है जिन्हें वर्ष 2024-25 तक पूरा किया जाना है।

योजना में डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किए जाएंगे। केंद्र के 16 मंत्रालय एक साथ इन परियोजनाओं की योजना तैयार करेंगे। इस डिजिटल प्लेटफार्म से सभी परियोजनाओं की उपग्रह से ली गई तस्वीर, वहां की रियल टाइम स्थिति, हो रही प्रगति, वहां उपलब्ध जमीन, पानी व अन्य सभी प्रकार की जानकारी ली जा सकेगी। सचिवों का एक समूह इन सभी परियोजनाओं की निगरानी करेगा। सरकार की परियोजनाओं को तय समय के भीतर पूरा करने के लिए यह प्लान सटीक मार्गदर्शन करेगा।

मोदी ने कहा कि गतिशक्ति अभियान के केंद्र में भारत के लोग, भारत के उद्योग, भारत के व्यापार जगत, भारत के किसान, भारत के उत्पादक व भारत के गांव हैं। परियोजनाओं की व्यापक योजना में अनेक कमियां दिखती हैं। रेलवे अपनी योजना बनाती है, सड़क परिवहन अपनी योजना तैयार करता है, टेलीकाम अपनी योजना बना रहा होता है। तमाम विभाग अलग-अलग योजना बना रहे होते हैं। अलग-अलग विभागों को पता नहीं होता है कि कौन सा विभाग कौन सी परियोजना को कहां शुरू करने की तैयारी कर रहा है। राज्यों को भी इसकी जानकारी नहीं होती है। इस कारण निर्णय प्रभावित होता है और बजट की बर्बादी होती है। इन सारी दिक्कतों का हल प्लान से निकलेगा। संबंधित खबर >> 15

बुनियादी ढांचे को गति >> संपादकीय

नई दिल्ली में बुधवार को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ● प्रेट्र

बड़ा कदम

- **अगले 25 वर्षों में ढुलाई लागत कम और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना लक्ष्य**
- **संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल 16 मंत्रालयों की बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाएं साथ लाई जाएंगी**

क्या होगा फायदा

- लाजिस्टिक लागत कम होगी जिससे निर्यात बढ़ेगा और घरेलू स्तर पर भी लोगों को सस्ते सामान मिलेंगे।
- खेती की लागत में भी कमी आएगी। बुनियादी ढांचे की परियोजना दूसरी परियोजना की मदद करेंगी, एक दूसरे का पूरक बनेंगी।
- सरकार को प्रभावी योजना और नीति बनाने में मदद मिलेगी। सरकार का अनावश्यक खर्च बचेगा और उद्यमियों को भी किसी प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी मिलती रहेगी।
- निवेशकों को सरकार तय समय में प्रतिबद्धता दिखा पाएंगी जिससे देश नए निवेश स्थान के रूप में उभरेगा।
- लोग कम कीमत में बेहतर जिंदगी जी सकेंगे और रोजगार के अवसर निकलेंगे।

उप्र की होगी महती भूमिका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान में पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के शुभारंभ को मुख्यमंत्री योगी ने आधारभूत ढांचा निर्माण के एक नए युग की शुरुआत बताया। गोरखपुर से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े योगी ने कहा कि सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उप्र की गतिशक्ति अभियान में महती भूमिका होगी।

योगी ने कहा कि इस अभियान का शुभारंभ हम सभी को प्रोत्साहित करने वाला है। अभियान शारदीय नवरात्र में शक्ति के अनुष्ठान के व्यावहारिक रूप में सामने आ रहा है। पीएम के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आधारभूत विकास के लिए पहले ही कार्ययोजना शुरू कर चुकी है। केंद्र के सहयोग से प्रदेश में बहुत प्रोजेक्ट चल रहे हैं। स्वाभाविक रूप से यह आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गतिशक्ति योजना एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए सुशासन की आदर्श पहल के रूप में जानी जा रही है। इस योजना के तहत बेहतर समन्वय के माध्यम से किसी भी परियोजना के नियोजन, त्वरित स्वीकृति व निर्णय लेने के लिए सिंगल विंडो का प्लेटफार्म उपलब्ध होगा। सौ लाख करोड़ रुपये के निवेश की इस महायोजना से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। लाजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और पूरे देश में आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डालर बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें उप्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। सड़क, रेल, मेट्रो आदि की अभी चल रही योजनाओं का जिक्र करने के साथ ही उन्होंने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे लाजिस्टिक्स हब और हेरिटेज सिटी के विकास की योजना है। टप्पल-बाजना को लाजिस्टिक्स हब और राया को हेरिटेज सिटी के लिए चयनित किया गया है।

योगी आदित्यनाथ (फाइल फोटो)